

जिनका कोई नहीं इस जग में हरि रखवाले होते हैं
आज यशोदा के पलने में लालन बनकर रोते हैं

चलो बधावा साया है - नंद बाबा ने बुलाया है ॥२॥
हो ssss जागे भाग यशोदा तेरे, ऐसा लालन पाया है.

बड़े भाग जो नंद बाबा घर, बाजन लागी बधाई
दोलक - झांझ - मंजीरा - लुरही, गूंज उठी शहनाई
गूंज उठी शहनाई

हो sss चलीं गुजरियां जो सज धज के - मंगल द्वार सजाया है

चलो बधावा.....

कहा कंस ने जाओ पूतना, कान्हा का वध करना है
रहे बांस न बजे बांसुरी, फिर काहे का डरना है
फिर काहे का डरना है

हो ssss बनी गुजरिया चली पूतना, चांद देख शमीया है

चलो बधावा.....

॥ हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की
हाथी घोड़ा... पालकी, जय कन्हैया sss लाल की ॥

बनी दुल्हन सी आज पूतना, नंद बाबा घर आई
 चंचल नैना हँद रहे पर, दिखते नहीं कन्हाई
 दिखते नहीं कन्हाई
 हो ssss लेकर दौड़ी है चलने से, अपना दूध पिलाया है

चलो बधावा-----

आँचल में मुँह दुपा लिया, फिर पीते दूध कन्हाई
 लगी पूतना शोर मचाने, जान पे जो बन आई
 जान पे जो बन आई
 हो ssss तजने पाण पूतना आई, करनी का फल पाया है

चलो बधावा-----

सुनो यशोदा आओ जल्दी, यहाँ पूतना आई
 देख हाड लालन के अपने, जान पे जो बन आई
 जान पे जो बन आई
 हो ssss रैते-रैते अपने लाल को- उर ले कंठ लगाया है

चलो बधावा-----

अरे कन्हैया वंशी बजैया, गोवर्धन गिरधारी
 सुन "श्री बाबा श्री" तेरी शरण में आया- न तजना बनवारी
 न तजना बनवारी
 हो ssss होड़ दिया जग सारा मैंने, तब जाकर सुख पाया है-

चलो बधावा-----